सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

प्रयागराज में तृतीय कुम्भ कॉन्क्लेव के आयोजन व इस अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। कॉन्क्लेव से जुड़ी सभी संस्थाओं व लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

सदियों से भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति को सिंचित करने में देश भर के तीर्थ स्थलों व उनसे जुड़े मेलों का बड़ा महत्व रहा है। विभिन्न तीर्थ यात्राएँ व मेले देशवासियों के मेल-मिलाप व भ्रातृत्व को सशक्त करते हुए अनेकता में एकता की अनुपम मिसाल प्रस्तुत करते हैं।

हमारी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत के अद्भुत प्रतीक महाकुम्भ मेले का हिस्सा बनकर विश्वभर के करोड़ों श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। यहां आकर जाति, धर्म, क्षेत्र सहित सारे भेद मिट जाते हैं और इस दौरान लोगों में सद्भाव, एकजुटता और सहयोग की भावना दर्शनीय होती है।

कुम्भ कॉन्क्लेव में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न विद्वानों के विचार महाकुम्भ के महत्व को बढ़ाने और इससे लोगों को जोड़ने में उपयोगी भूमिका निभाएंगे। इससे अगले वर्ष होने वाले महाकुम्भ से पूर्व अनेक संगठन व संस्थाओं को अपनी तैयारियों को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

अमृत काल में एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व के भाव के साथ देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस कर्तव्य काल में हमारी एकता व एकजुटता राष्ट्र को उन्नति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

मुझे विश्वास है कि कुम्भ कॉन्क्लेव में आस्था, विश्वास व सौहार्द के पर्याय महाकुम्भ से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचारपूर्ण चर्चा होगी। सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही 'इंडिया थिंक काउंसिल' व आयोजन से जुड़े सभी लोगों को भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
29 आश्विन, शक संवत् 1946
21 अक्टूबर 2024